मैं अब्राहम लिंकन हूं!

ब्रैड मेल्टज़र

चित्र: क्रिस्टोफर

मैं अब्राहम लिंकन हूं!

ब्रैड मेल्टज़र

चित्र: क्रिस्टोफर

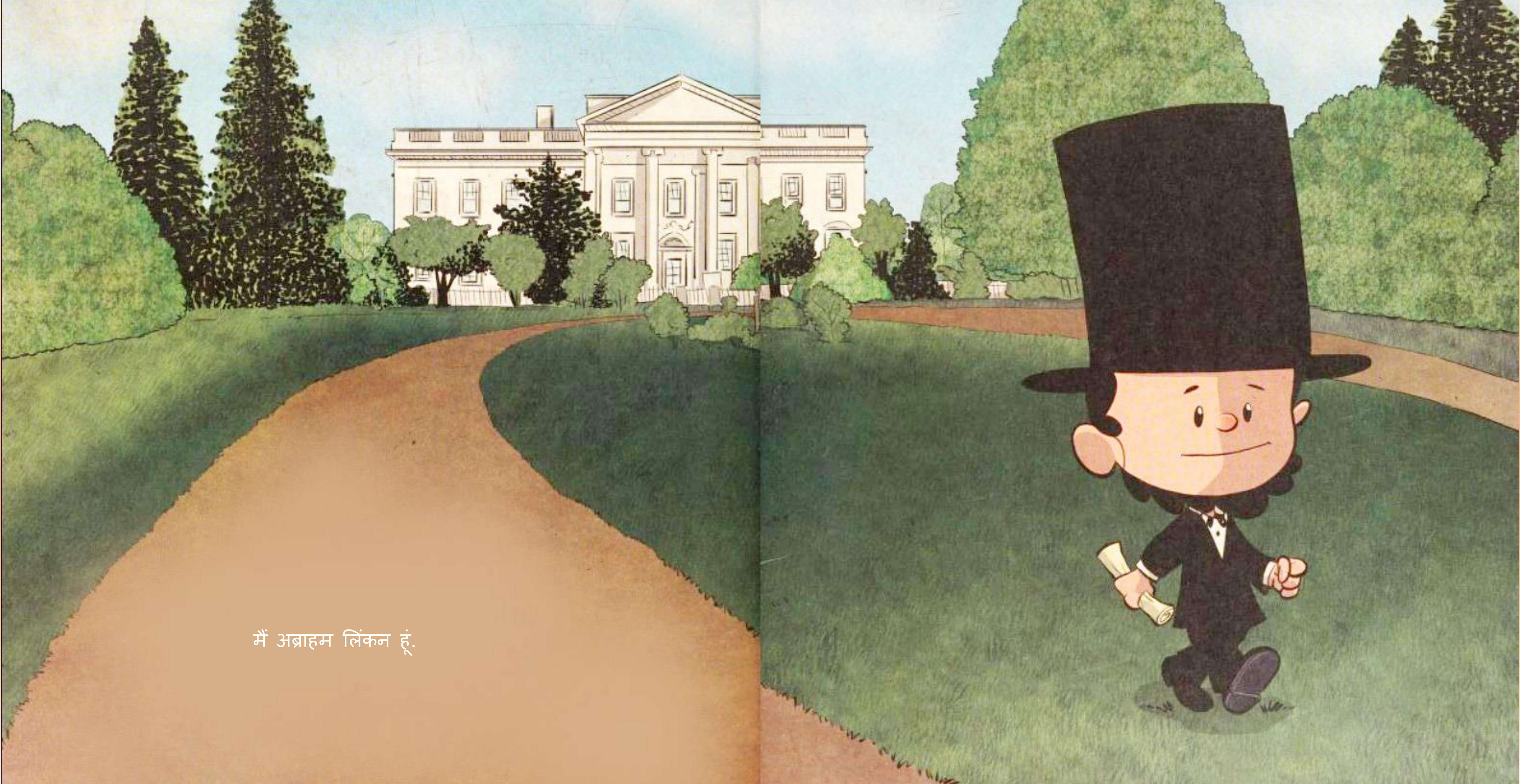

मैं अब्राहम लिंकन हूं.

मेरे बचपन में छोटे लड़कों से खेतों में काम करने की और भोजन के लिए जानवरों का शिकार करने की अपेक्षा की जाती थी.

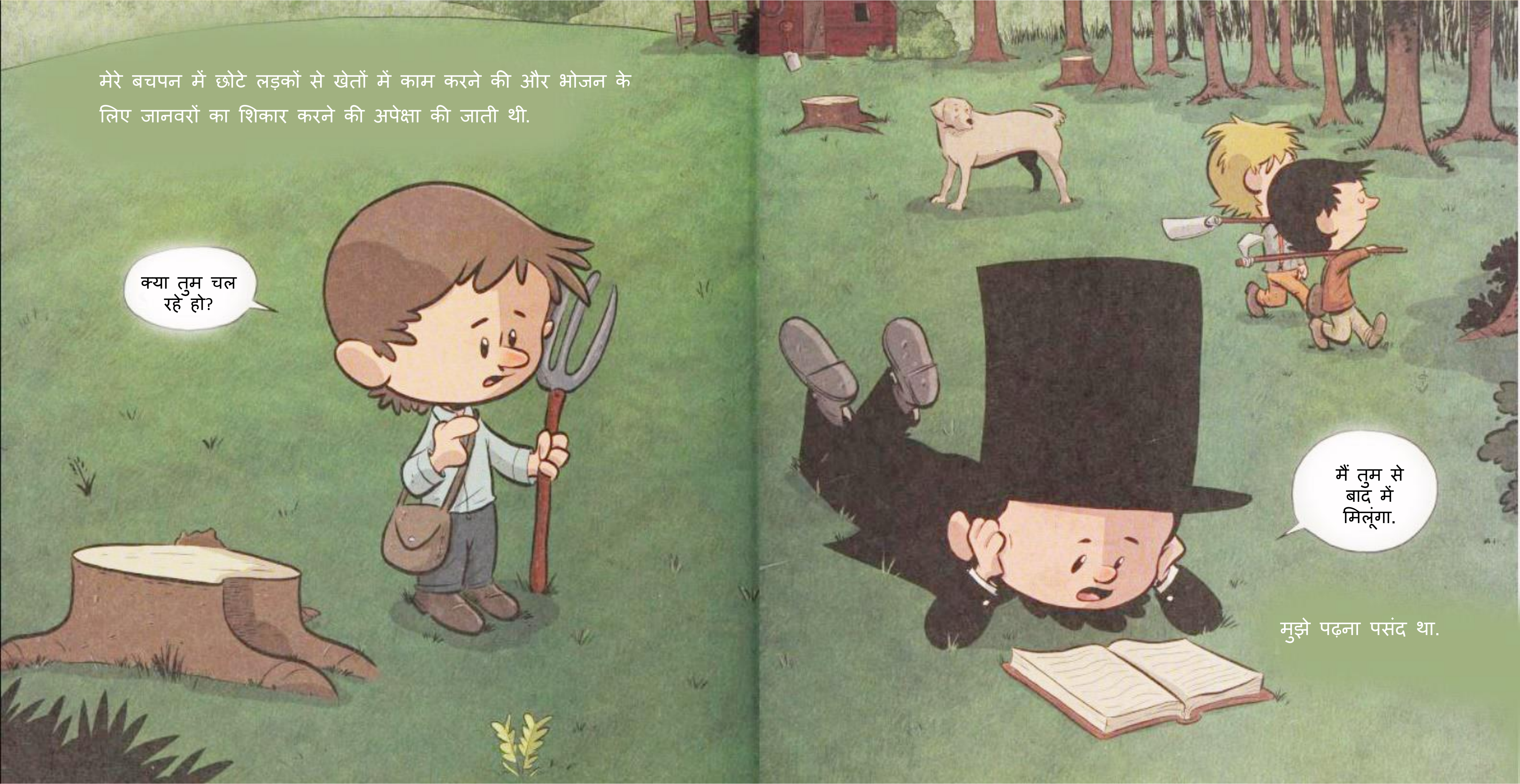

मुझे पढ़ना पसंद था.

मुझे जानवरों से भी प्यार था. जब मैं दस साल का था, तब मैंने देखा कि कुछ लड़के कछुओं के साथ खेल रहे थे.

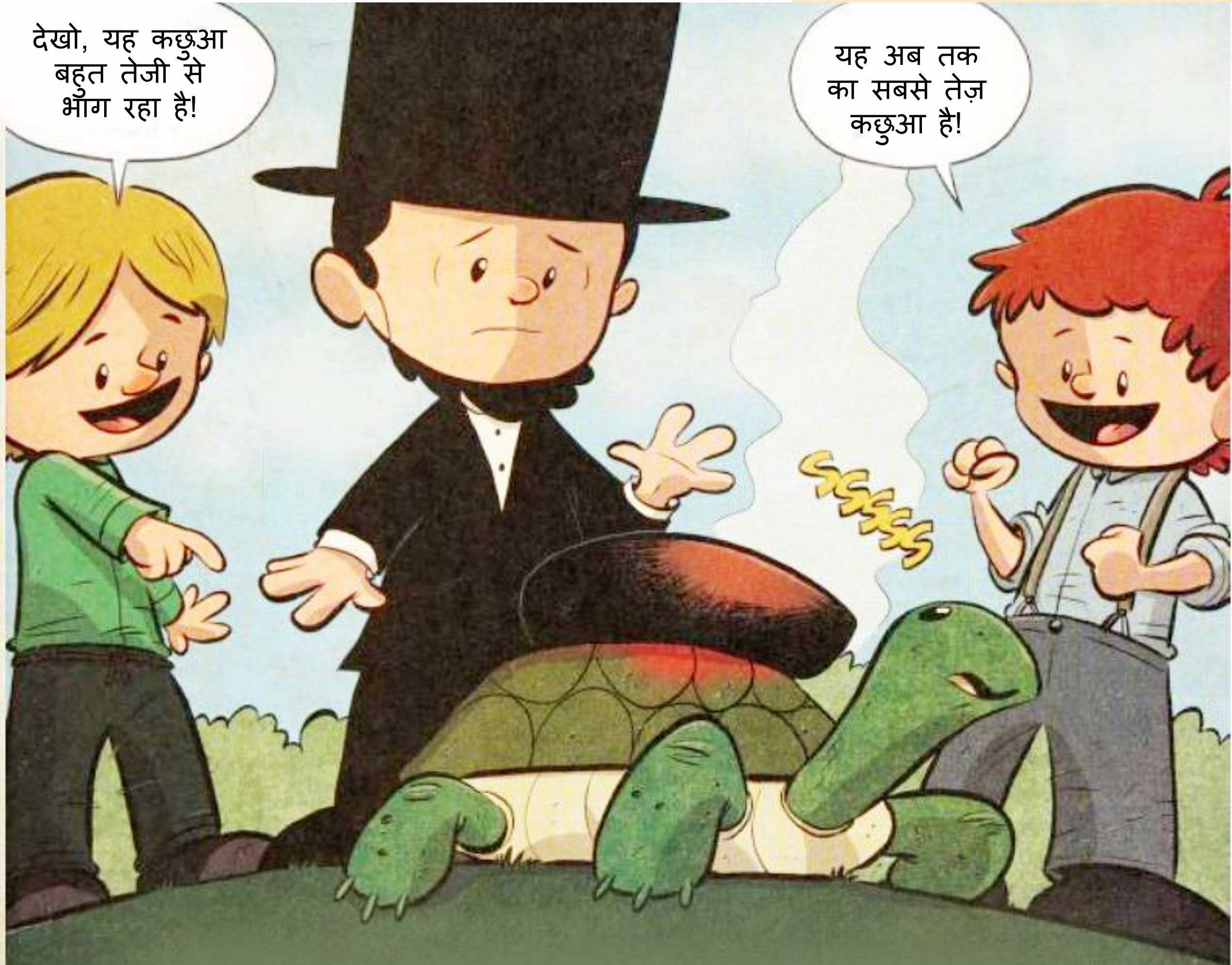

लेकिन जैसे-जैसे मैं करीब आया, मुझे एहसास हुआ कि वे लड़के खेल नहीं रहे थे. वे गरम अंगारों को कछुओं के ऊपर रख रहे थे, यह देखने के लिए कि क्या उससे होगा. उनको इस खेल में मज़ा आ रहा था.

उस पल, मैं उन्हें छोड़कर जा सकता था.
दस साल की उम्र में सही काम करना मुश्किल होता है.
इस कछुए को जाने दो.
तुमने क्या कहा?
तुमने मुझे सुना.

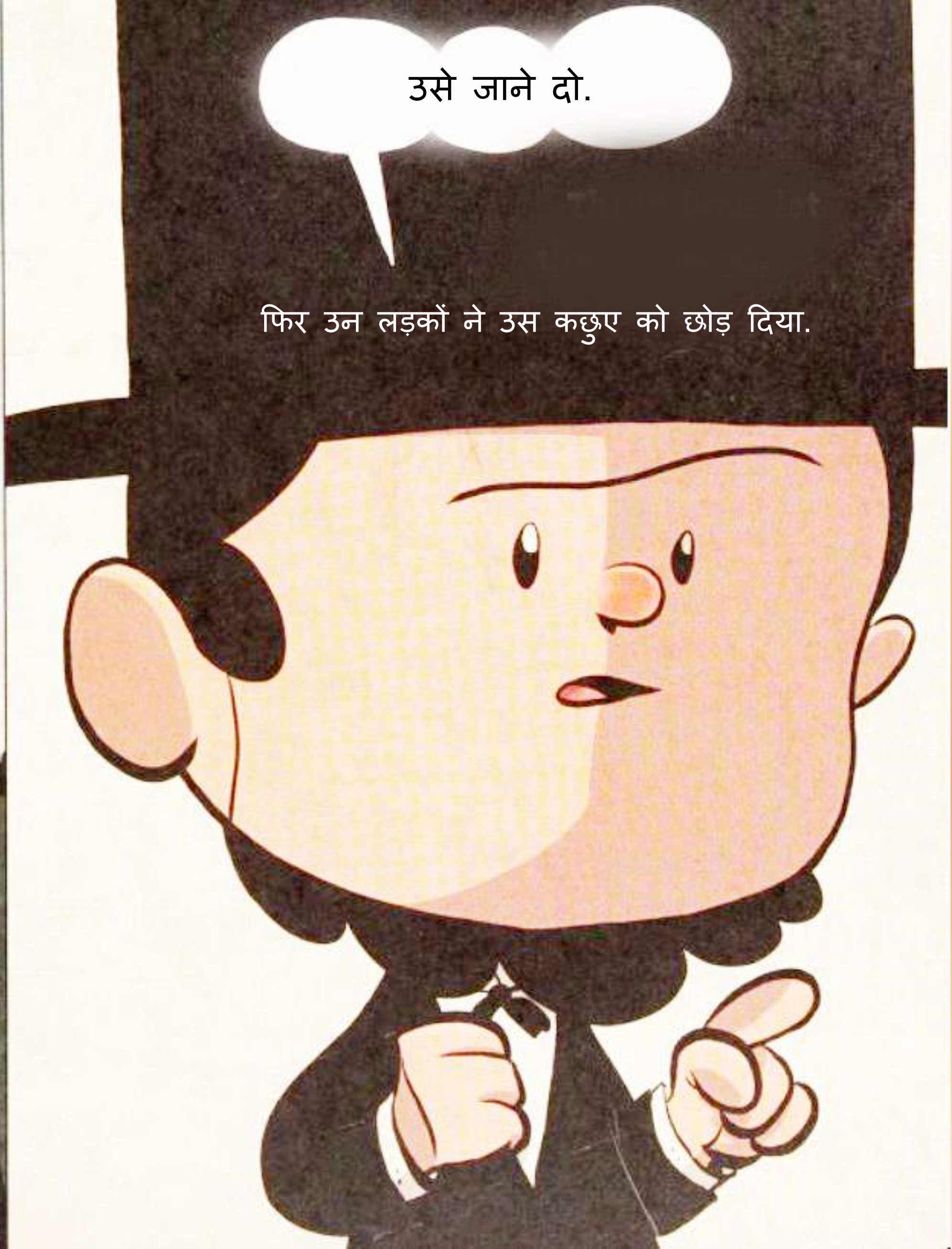
उसे जाने दो.
फिर उन लड़कों ने उस कछुए को छोड़ दिया.

उसके तुरंत बाद, मैंने अपना पहला निबंध लिखा - जानवरों को चोट पहुँचाना कितना गलत था.

हो सकता है कि यह कोई बड़ी बात न लगे, लेकिन उस समय अधिकांश बच्चे - और यहां तक कि वयस्क भी लिखना नहीं जानते थे.

वास्तव में, इंडियाना राज्य इतना नया था कि वहां अभी तक स्कूल तक नहीं बने थे.

मैं मुश्किल से एक साल के लिए स्कूल गया था. सिर्फ एक साल! लेकिन उसने मुझे रोका नहीं. मैंने चाक से पेड़ों पर वर्णमाला लिखने का अभ्यास किया. मैंने खेत की मिट्टी में भी लिखने का अभ्यास किया.

जहाँ तक सीखने की बात थी - मेरे सबसे अच्छे शिक्षक मेरी . . . पुस्तकें थीं.

मुझे किताबों से बहुत प्यार था. मैं एक बार एक किताब लाने के लिए छह मील (सच में - छह मील!) पैदल चला था.

जब मेरा घोड़ा आराम कर रहा होता तब भी मैं पढ़ता था.

स्थानीय स्टोर की लाइन में प्रतीक्षा करते हुए भी मैं पढ़ता था.

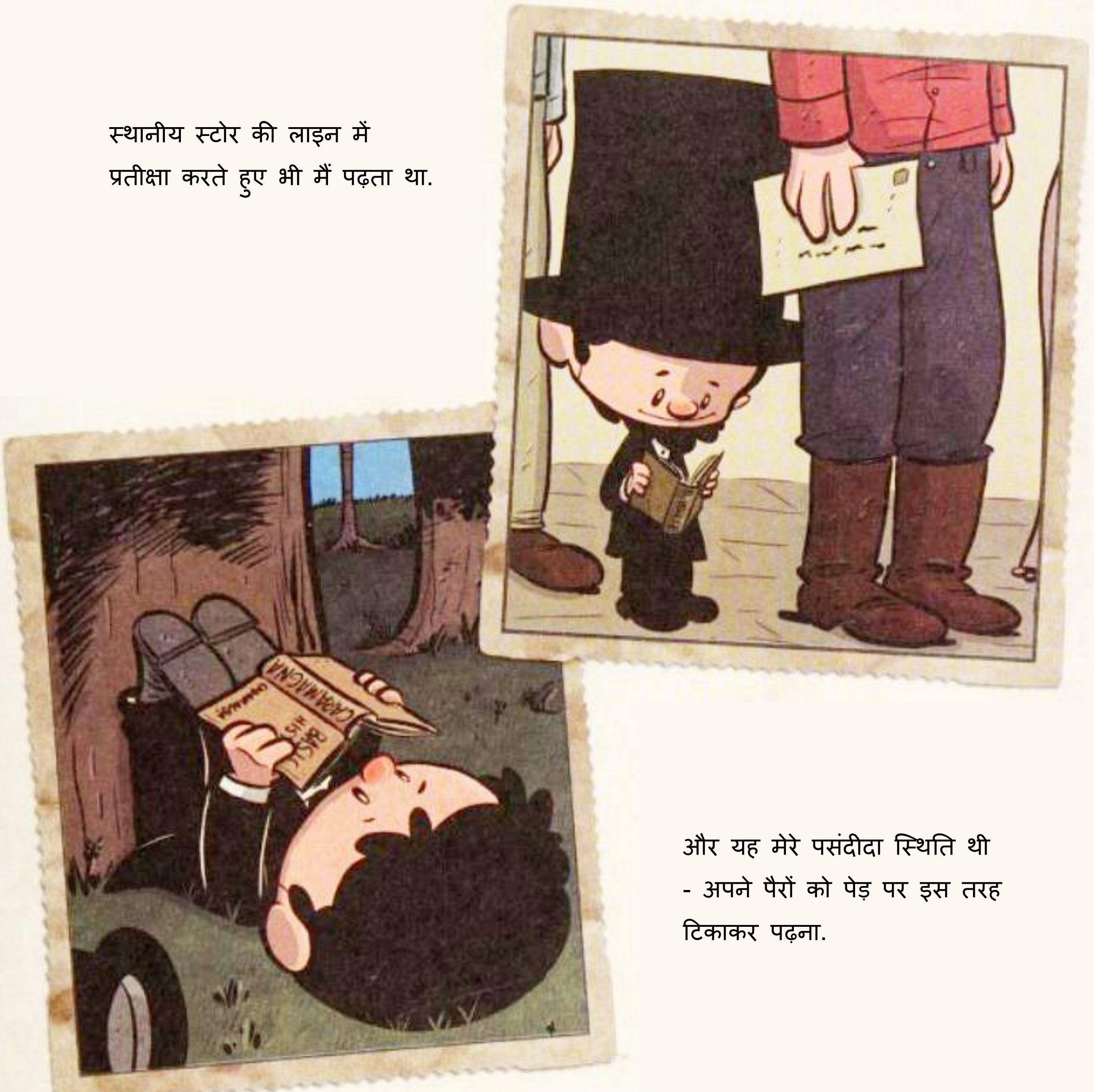

और यह मेरे पसंदीदा स्थिति थी - अपने पैरों को पेड़ पर इस तरह टिकाकर पढ़ना.

जल्द ही मैंने बाइबल से लेकर ईसप की दंतकथाएं, रॉबिन्सन क्रूसो और पड़ोस की हर किताब पढ़ी डाली थी. लेकिन मेरे पसंदीदा किताबों में एक जॉर्ज वाशिंगटन के बारे में थी.

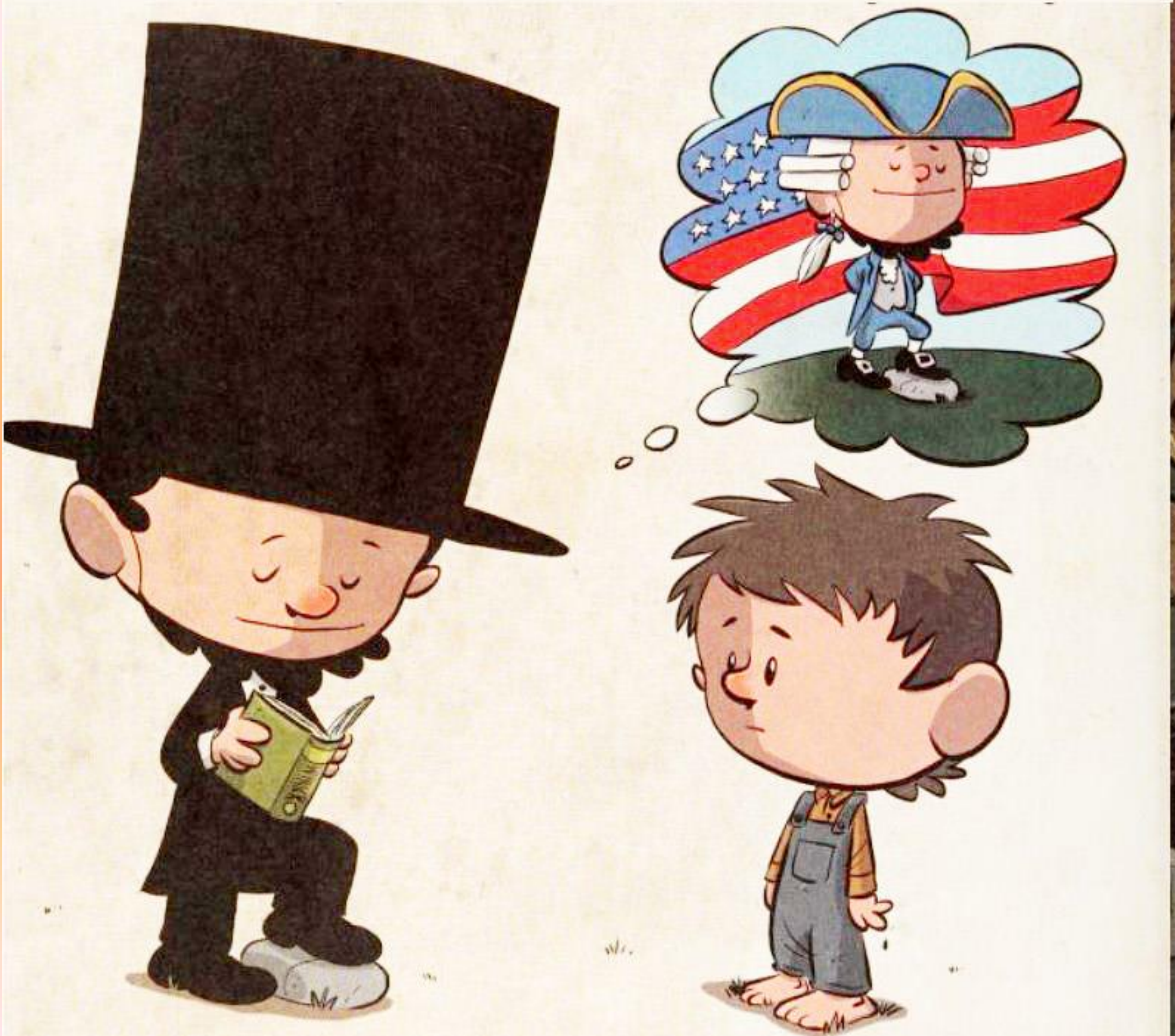

जब मैं बाईस साल का था, तब हम इलिनोइ चले गए, जहाँ मेरी मुलाकात गुंडों के एक गुट से हुई, जिन्हें क्लैरी ग्रोव बॉयज़ के नाम से जाना जाता था.

शहर में हर कोई जानता था कि वे बदमाश थे. और मुझे बदमाश पसंद नहीं थे.

लेकिन मैं वहां एक नया लड़का था. क्योंकि उन्होंने मुझे चुनौती दी थी इसलिए मेरे पास ज्यादा विकल्प नहीं थे.

आज कुछ लोग इसे लड़ाई कह सकते हैं, लेकिन वो वास्तव में एक कुश्ती का मैच था.

मेरे और उन गुंडों के नेता जैक आर्मस्ट्रांग के बीच.

उस समय यह नियम था कि एक बार जब आप अपने प्रतिद्वंद्वी को पकड़ लेते हैं, तो आप अपनी पकड़ को तोड़ नहीं सकते हैं.

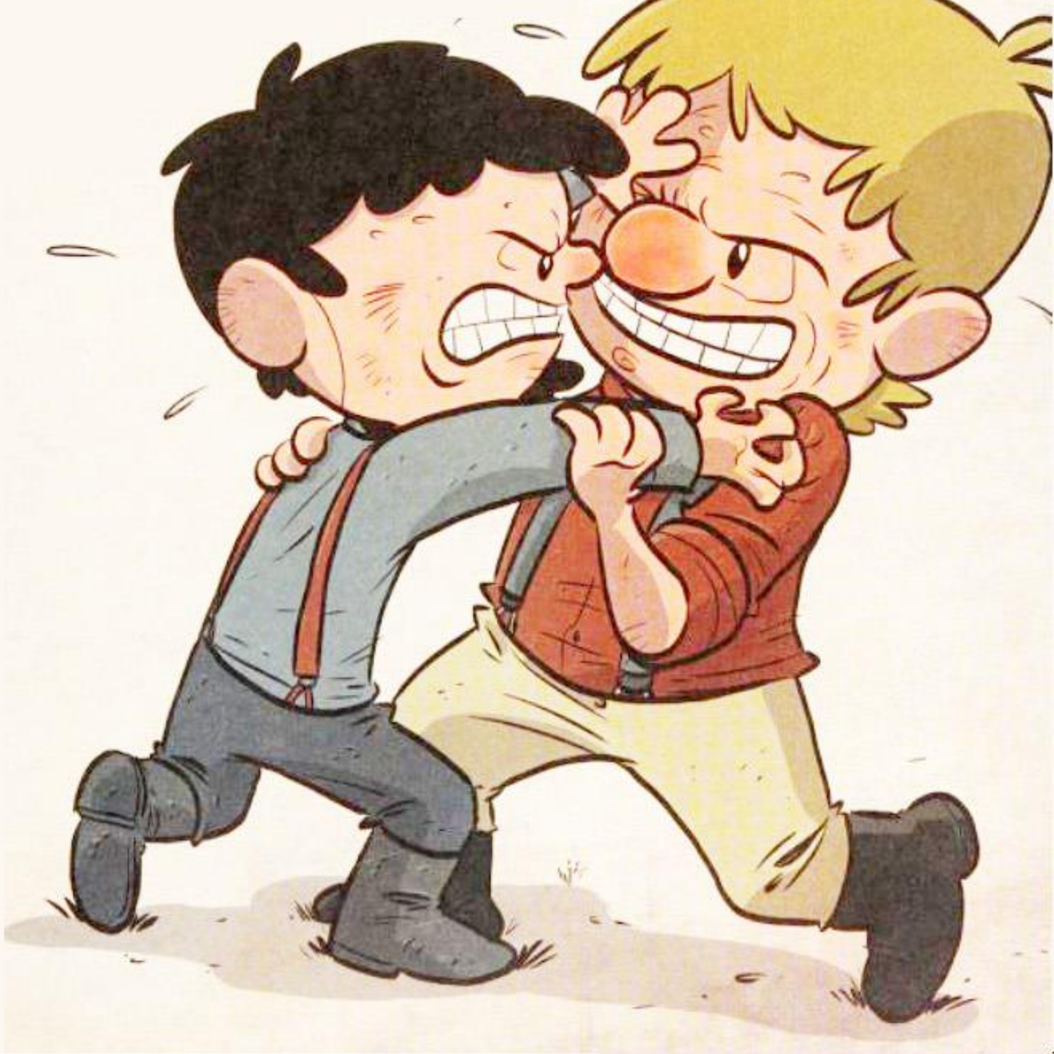

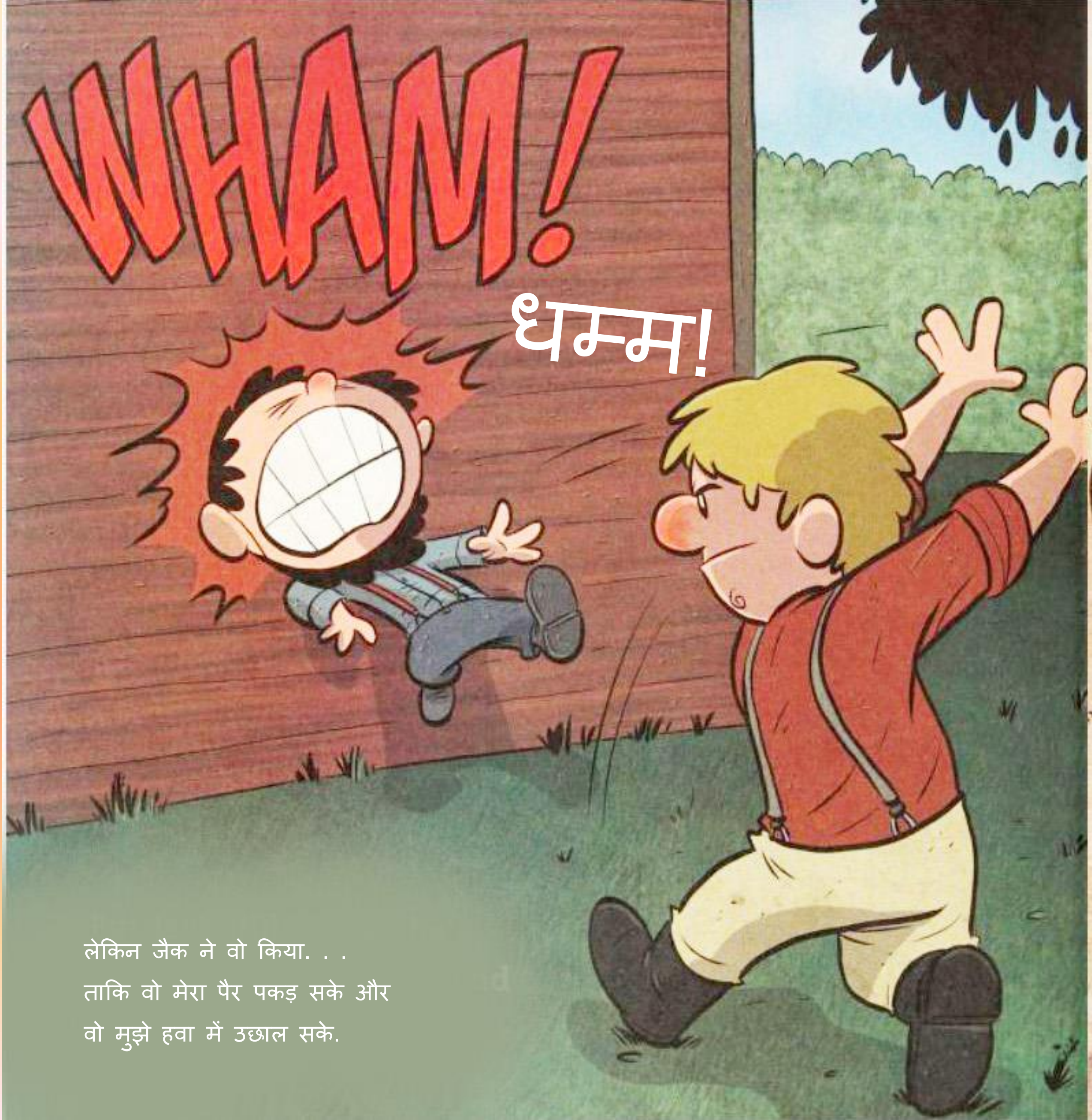
WHAM!
धम्म!
लेकिन जैक ने वो किया. . .
ताकि वो मेरा पैर पकड़ सके और
वो मुझे हवा में उछाल सके.

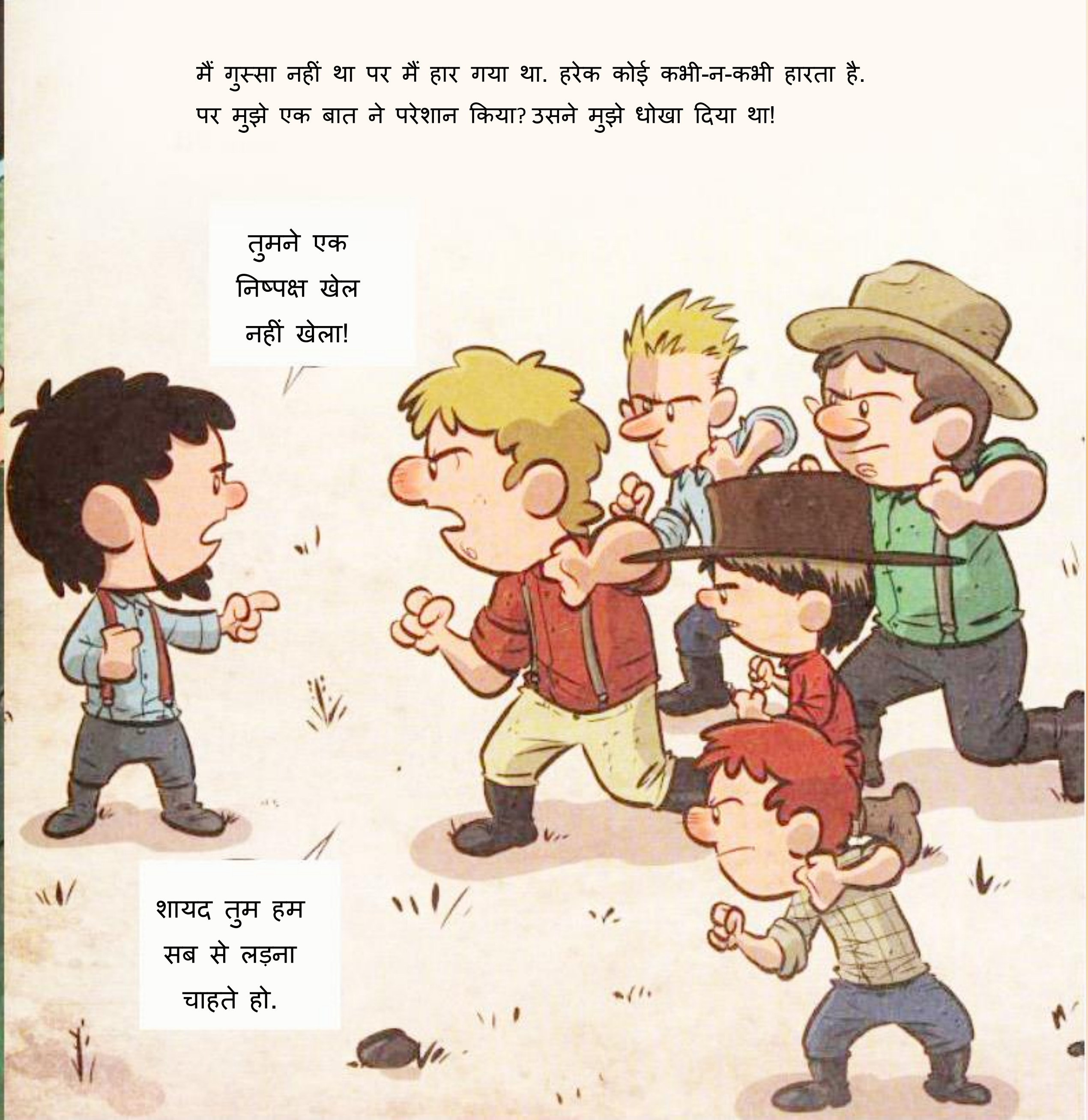
मैं गुस्सा नहीं था पर मैं हार गया था. हरेक कोई कभी-न-कभी हारता है.
पर मुझे एक बात ने परेशान किया? उसने मुझे धोखा दिया था!
तुमने एक निष्पक्ष खेल नहीं खेला!
शायद तुम हम सब से लड़ना चाहते हो.

कुछ ही सेकंड में, उन सभी ने मुझे घेर लिया.

वे मेरे पीछे हटने का इंतजार कर रहे थे. या मेरे आपा खोने का.

इसकी बजाए, मैंने शांति और आत्मविश्वास से उन्हें बताया. . .

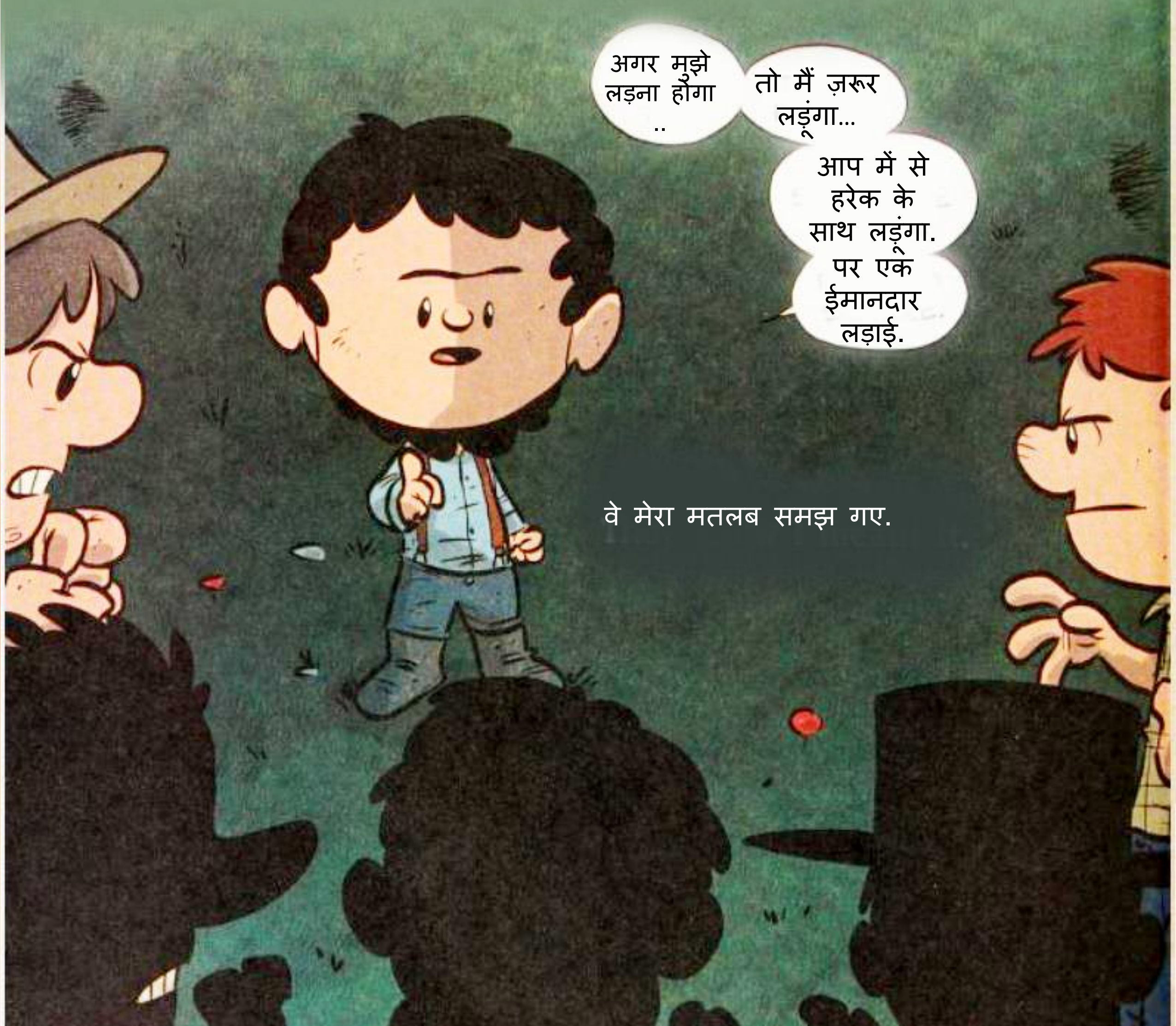

कभी-कभी, सबसे कठिन झगड़ों में कौन जीता, कौन हारा यह पता नहीं चलता है - लेकिन उससे लोगों का चरित्र प्रकट होता है. खासकर जब आप किसी ऐसी चीज के लिए लड़ रहे हों जिसमें आपका विश्वास हो.

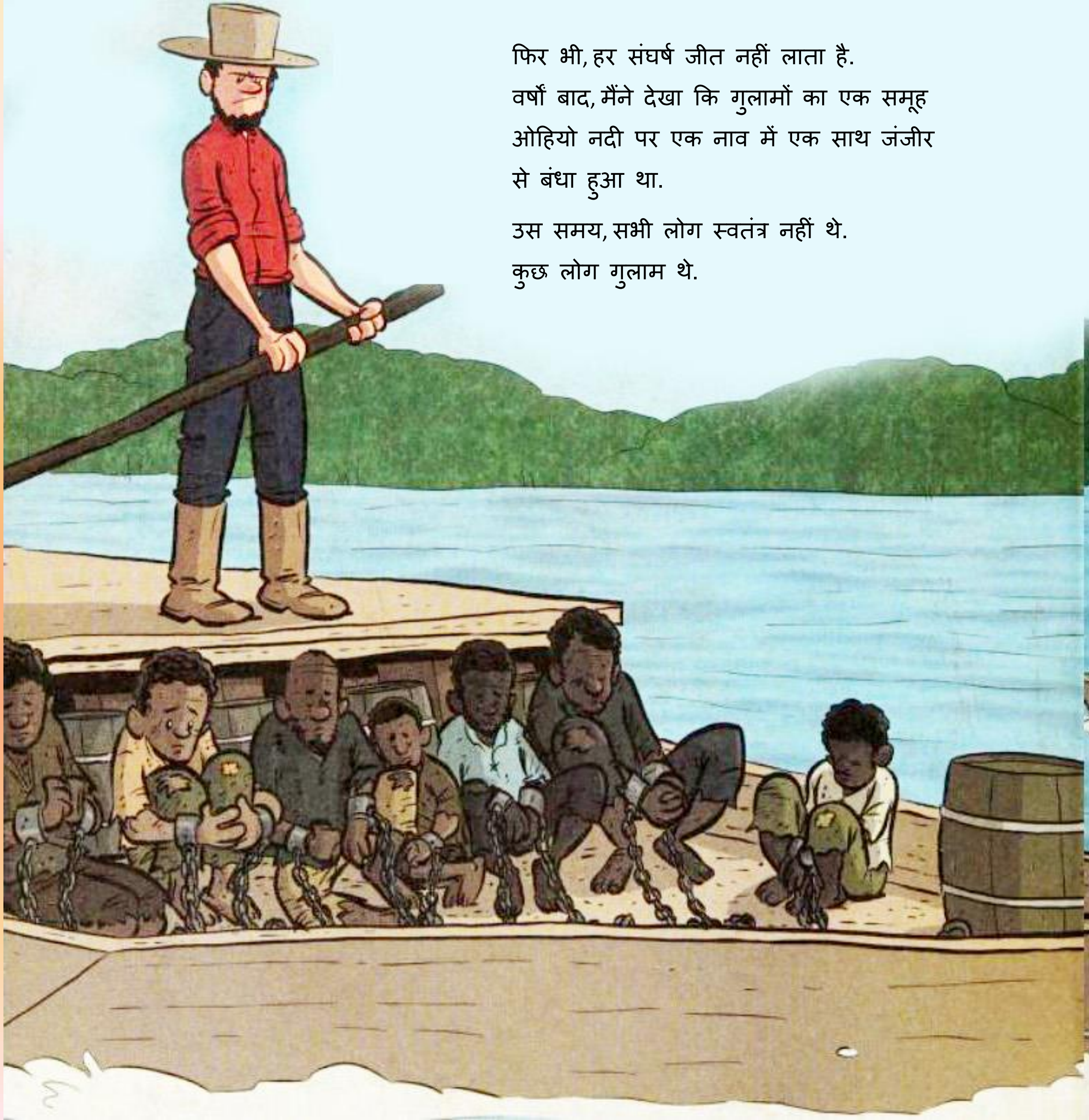

फिर भी, हर संघर्ष जीत नहीं लाता है.
वर्षों बाद, मैंने देखा कि गुलामों का एक समूह ओहियो नदी पर एक नाव में एक साथ जंजीर से बंधा हुआ था.

उस समय, सभी लोग स्वतंत्र नहीं थे.
कुछ लोग गुलाम थे.

उनकी त्वचा के रंग के कारण, उन्हें बिना वेतन के काम करने के लिए मजबूर किया जाता था. उनके साथ बहुत बुरा व्यवहार किया जाता था.

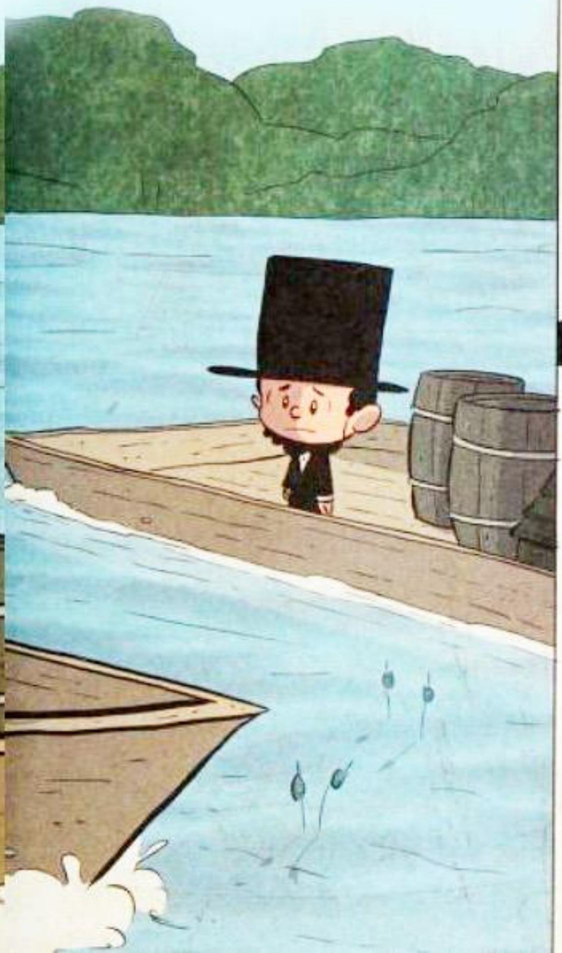

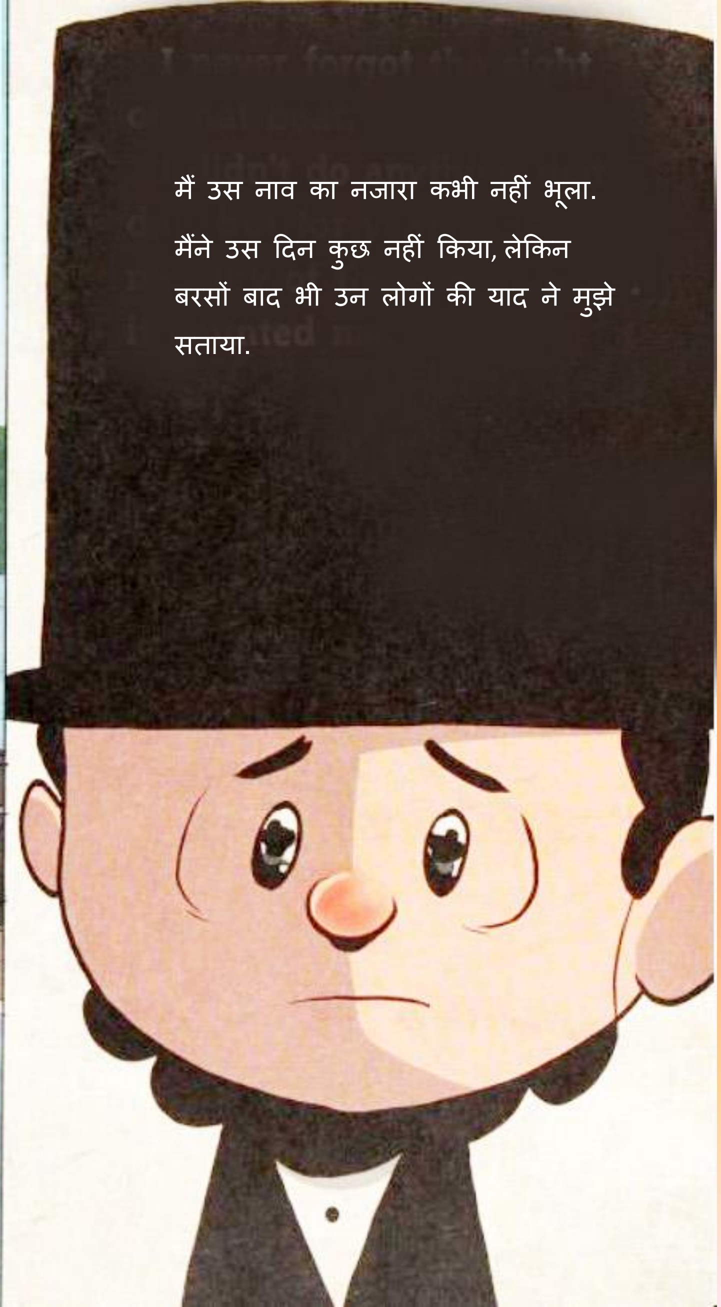

मैं उस नाव का नजारा कभी नहीं भूला.

मैंने उस दिन कुछ नहीं किया, लेकिन बरसों बाद भी उन लोगों की याद ने मुझे सताया.

जब मैं राष्ट्रपति बना तब भी मैं उनके बारे में सोच रहा था.
बड़ी नौकरी मिलने से पहले मैं चार बार चुनाव हारा था. हाँ, चार बार!

अमेरिका अपने इतिहास की सबसे बड़ी लड़ाई – गृहयुद्ध का सामना कर रहा था. एक पक्ष गुलामी समाप्त करना चाहता था पर दूसरा नहीं . .

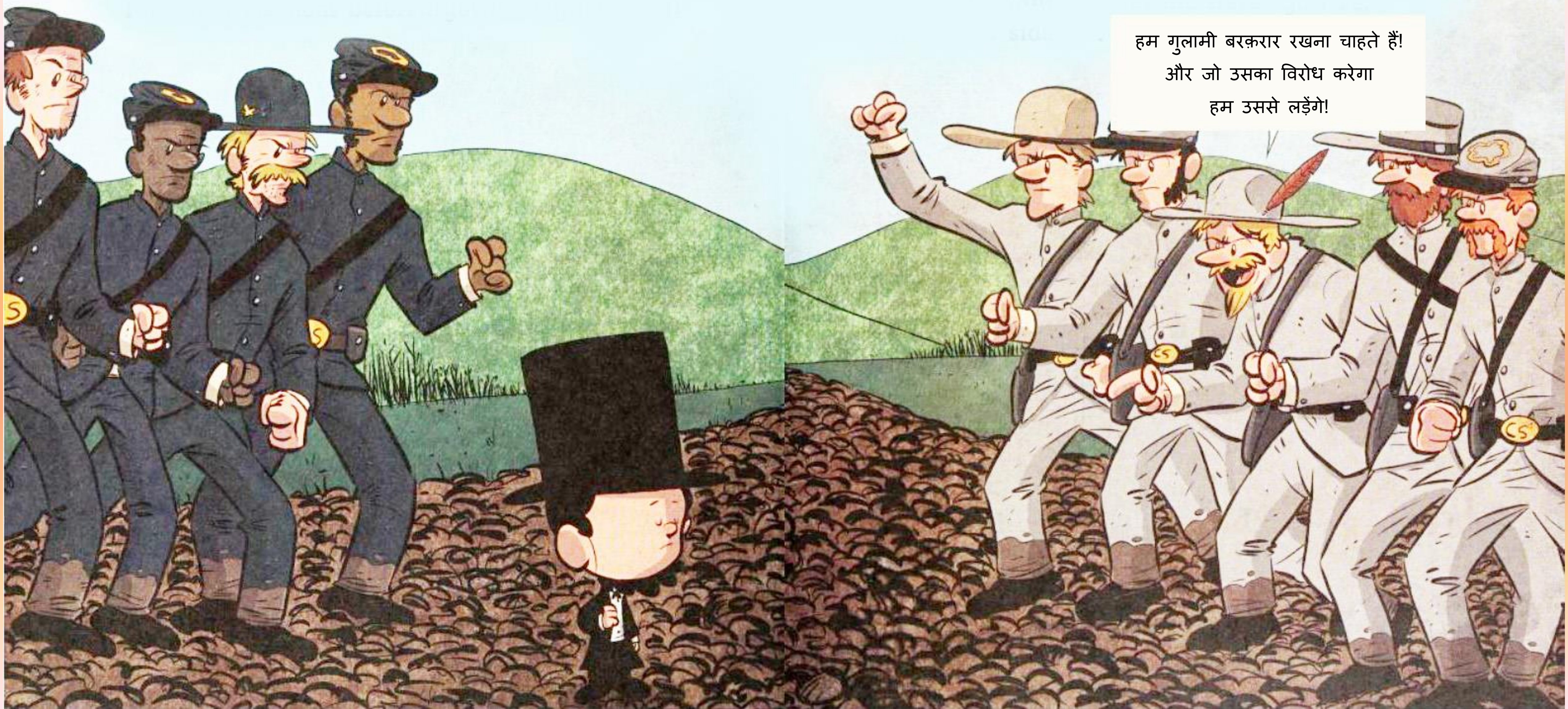

अगर मैं अपना सिर घुमा लेता, तो मैं लड़ाई से बच सकता था.

लेकिन अगर मैंने जीवन में कुछ सीखा था तो वो यह था:

जब किसी को मदद की ज़रूरत हो, तो दूसरी तरफ देखना गलत था.

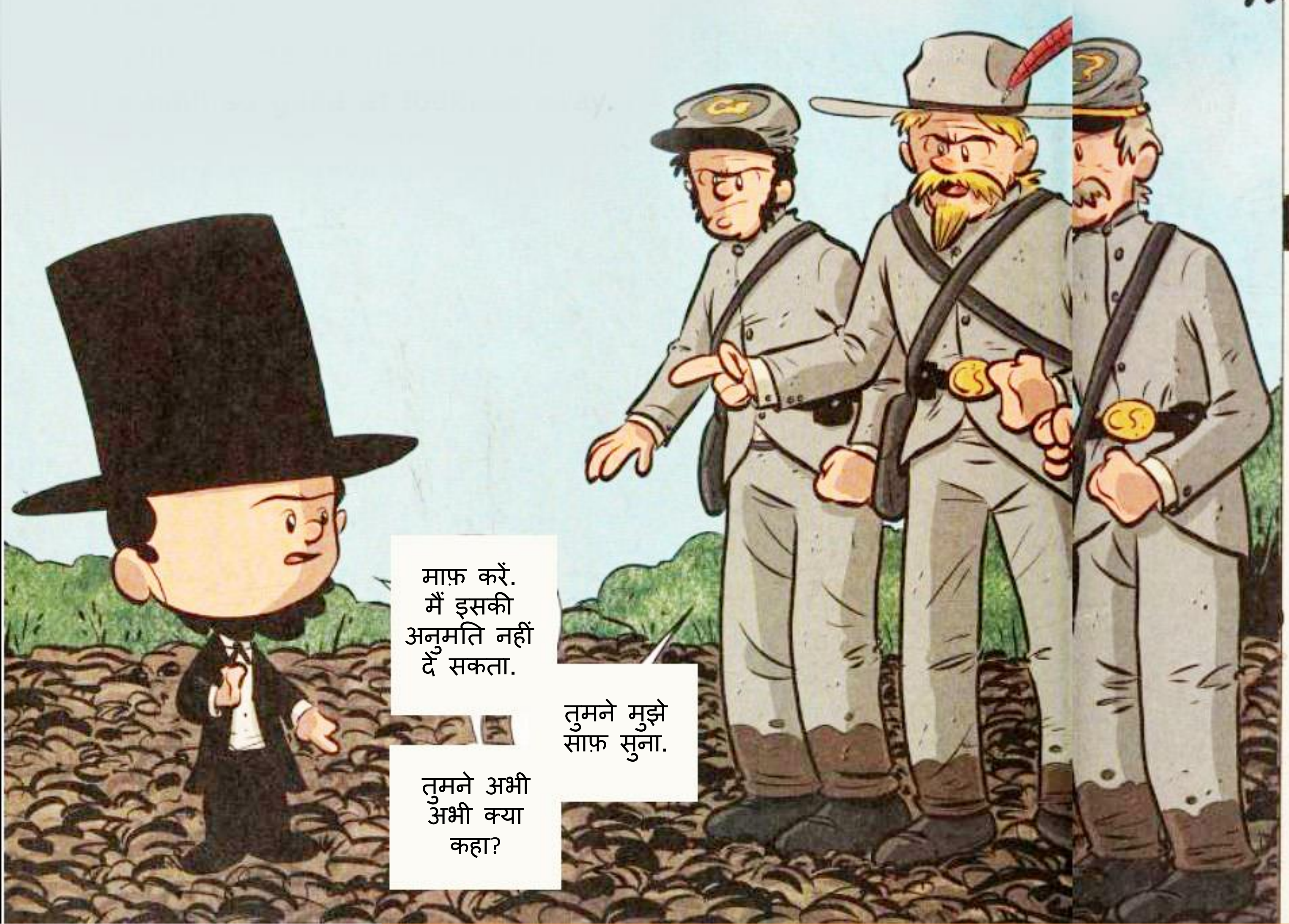

गृहयुद्ध उम्मीद से अधिक समय तक चला. लड़ाई में बहुत से लोग मारे गए. हमारे लोग हार मानने को तैयार थे. अपने लोगों को फिर से सक्रिय करने के लिए, हमने गेट्सबर्ग, पेनसिल्वेनिया में एक बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया.

मुख्य वक्ता ने लगभग दो घंटे तक भाषण दिया.

मैंने एक भाषण दिया जो सिर्फ दो मिनट तक चला, और उसमें मैंने केवल 271 शब्दों का इस्तेमाल किया. सबसे महत्वपूर्ण पाँच शब्द जो मैंने इस्तेमाल किए?

इसके तुरंत बाद, मैंने एक कानून पारित करने में मदद की जिसने अमेरिका में गुलामी को समाप्त कर दिया और उन सभी लोगों को मुक्त कर दिया. फिर गृहयुद्ध समाप्त हुआ.

उसके नतीजतन, हम ने केवल संयुक्त राज्य अमेरिका को एक साथ लाए - हमने यह भी साबित किया कि लोगों की, लोगों द्वारा और लोगों के लिए यह सरकार स्वतंत्रता और न्याय के लिए समर्पित होगी.

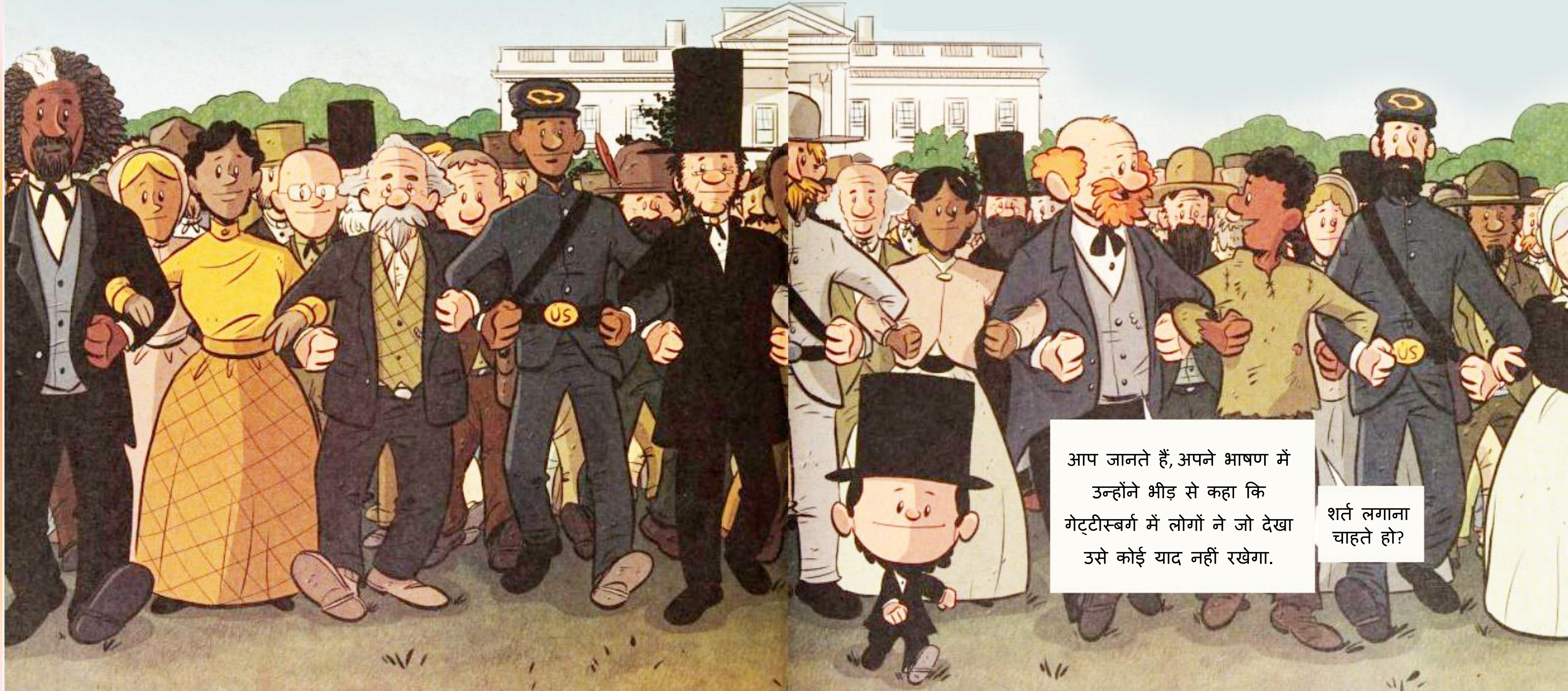

जीवन में, शक्ति कई रूप ले सकती है.

लेकिन किसी ज़रुरतमंद व्यक्ति के लिए खड़े होना एक बड़ी मजबूती होती है.

इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप कहां से हैं, या आपके पास कितने कम साधन है, एक चीज जो आपसे कभी नहीं छीनी जा सकती वो है आपकी आवाज.

जब आप किसी चीज़ में विश्वास करते हैं, तो आप अपनी आवाज का जरूर प्रयोग करें.

और जब आप अन्याय देखें, तो पहले से कहीं ज्यादा बुलंद आवाज़ में बोलें.

जब आप वो करेंगे. . .

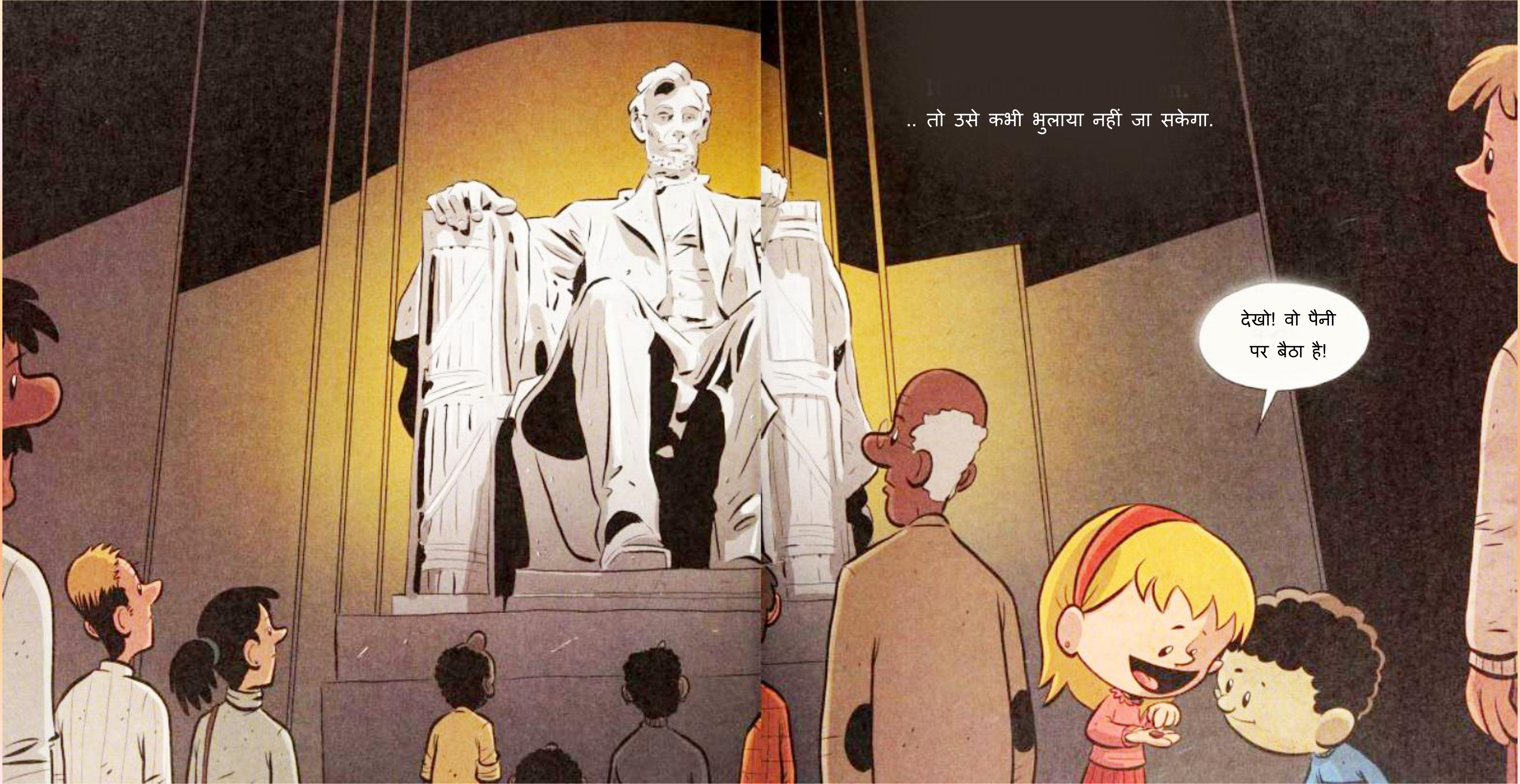
.. तो उसे कभी भुलाया नहीं जा सकेगा.
देखो! वो पैनी पर बैठा है!

मैं अब्राहम लिंकन हूं. मैं सही बात के लिए कभी भी लड़ना बंद नहीं करूंगा. और मुझे आशा है कि आप याद रखेंगे कि जब आप अपने मन की बात कहते हैं - और दूसरों के हकों के लिए बोलते हैं - तो सुनने का उससे अधिक शक्तिशाली और कोई तरीका नहीं होता है.

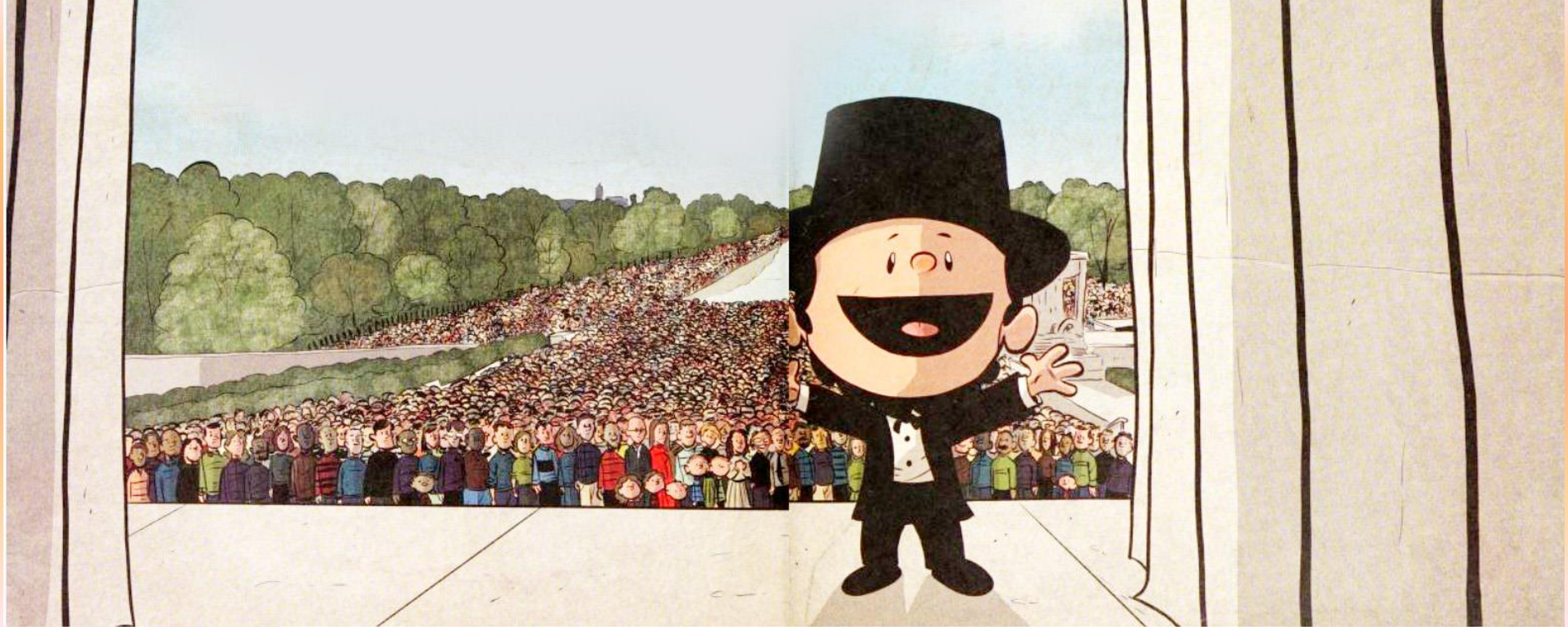

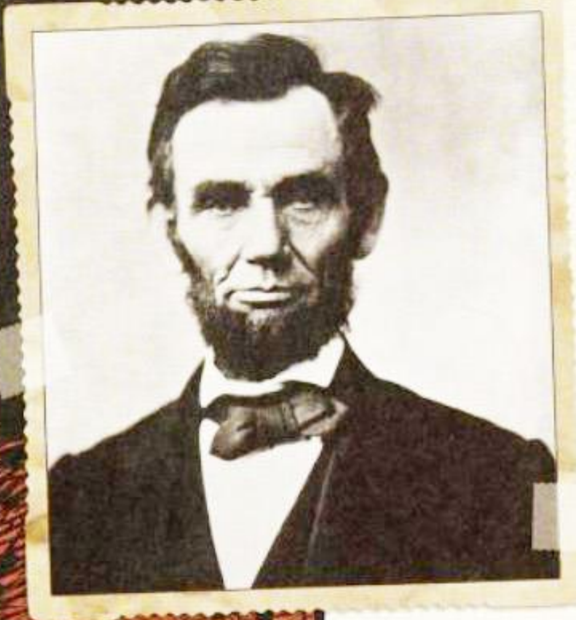

"मैं जीतने के लिए बाध्य नहीं हूं, लेकिन मैं सच के लिए खड़ा होने के लिए बाध्य हूं. मैं सफल होने के लिए बाध्य नहीं हूं, लेकिन मेरे पास जो प्रकाश है, उसे जीने के लिए बाध्य हूं. मुझे हर नेक और भले इंसान के साथ खड़ा होना चाहिए, और जब वो गलती करे तो उसे छोड़ देना चाहिए."

- अब्राहम लिंकन

गृहयुद्ध के दौरान, 1862

अब्राहम के पहले घर की रेप्लिका, कैंटकी में लिंकन जन्मस्थान राष्ट्रीय ऐतिहासिक पार्क में

गेटिसबर्ग भाषण देते हुए, 1863